

Autonomy and Independence of Institutions

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): सभापति महोदय शुक्रिया। 11 तारीख से प्रतिदिन Zero Hour लगते-लगते आज मेरा नंबर आया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। ..(व्यवधान)...

महोदय, मैंने चाहा था कि मैं एक बहुत गंभीर विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करूं। Investigative agencies और हमारी डेमोक्रेसी ईवीएम और बैलेट पेपर से नहीं चलती हैं। ..(व्यवधान)... हमारी डेमोक्रेसी में यह आवश्यक है कि हमारी संस्थाएं और संस्थान राजनीति से दूर रहें। सर, दिक्कत यह है कि institutions are being compromised. ...(Interruptions)... हमारी सबसे बड़ी परेशानी है कि देश की सबसे ताकतवर एजेंसीज के compromised होने की खबरें आती हैं, एफिडेविट में बड़े-बड़े अधिकारियों का, बड़े-बड़े मंत्रियों का नाम निकलकर आता है। ...(व्यवधान)... सर, अगर इस मुल्क में investigative agencies का नया ...(व्यवधान)... सामान्य हो गया, आज जो उधर बैठे हैं, कल वे इधर बैठेंगे ...(व्यवधान)... वे भी इस जद में आएंगे, इसलिए हमें आवश्यकता इस बात की है कि हम पूरी कोशिश करें कि rule of law and rule by law अपने चरित्र में हो। ...(व्यवधान)... You cannot be selective. ...(Interruptions)... Your political fight cannot be converted into these kinds of arrangements where we take recourse to using these agencies, making sure that the people suffer for having political differences with you. Having said that, Sir, through this House, I wish to caution every one of us here, our country shall thrive best only if we protect the autonomy and independence of these institutions, which we have summarily failed in doing, particularly in the last four-and-a-half years. ...(Interruptions)... And if these kinds of things continue to happen, I shudder to think what would happen to the Republic of India. Sir, whatever is going on in the CBI, ED, IB or other investigative agencies, has a script and that script comes from a particular Party Head Office. The people of India understand that script and we believe that we are getting down to a new low every day. ...(Interruptions)...

जय हिन्द सर। सर, मुझे पूरी उम्मीद है कि आप मेरी बातों को गंभीरता से लेंगे। ..(व्यवधान).. सदन में यह बात हर जगह पहुंचे, क्योंकि परिस्थितियाँ बदलेंगी, कल वे यहाँ होंगे और हम वहाँ हो सकते हैं। सर, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

† Transliteration in Urdu script.

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अशोक सिद्धार्थ (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री राजाराम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अहमद अशफाक करीम (बिहार) : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अब्दुल वहाब (केरल): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

PROF. M. V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

† Transliteration in Urdu script.

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned to meet after fifteen minutes.

The House then adjourned at twenty-five minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at forty minutes past eleven of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 12.00 noon.

The House then adjourned at forty minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

ORAL ANSWER TO QUESTION

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Vijay Goel.

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल): सर, मैं अपने AIADMK के सदस्यों से पूरे सदन की तरफ से प्रार्थना करूँगा कि जैसी अभी बातचीत हुई है ...(व्यवधान)... जैसी अभी बातचीत हुई है, अभी श्री नितिन गडकरी जी आयेंगे और आपसे बातचीत करेंगे। ...(व्यवधान)... Sir, we have already requested the concerned Minister, Shri Nitin Gadkari to talk to them and make a statement in the House to allow us to run the House.

Grenade attack on religious congregation in Punjab

211. DR. T. SUBBARAMI REDDY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government has investigated the grenade attack on a religious congregation in Punjab recently, killing three persons and injuring more than a dozen persons;

(b) if so, whether involvement of any terrorist organisation was found;

(c) how many persons were arrested and what is the progress of investigation; and

(d) the preventive and security measures taken to defeat such attacks in future, especially on religious congregations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI HANSRAJ GANGARAM AHIR): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.